International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 14 Issue 2, March-April, 2026

उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन एवं व्यक्तित्व का अध्ययन

नेहा प्रजापति[1], डॉ. स्वाति पाण्डेय[2]

[1]शोधार्थी (शिक्षा), स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय भिलाई
[2]शोध निर्देशक, प्राध्यापक (शिक्षा) भारती विश्व.वि.पुलगाव, दुर्ग

सारांश

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन एवं व्यक्तित्व का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना था । न्यादर्श के रूप में छत्तीसगढ राज्य के दुर्ग जिले 4 विद्यालयों से कक्षा 11वी के 100 विद्यार्थी लिए गए, जिनमें 50 छात्र एवं 50 छात्राएं शामिल थीं । आंकड़ों के संकलन हेतु **ए.के.सिन्हा** एवं **आर.पी. सिंग (2022)** द्वारा निर्मित समायोजन मापनी एवं व्यक्तित्व मापन हेतु **के.एस मिश्रा (2020)** द्वारा निर्मित मापनी का प्रयोग किया गया । प्रदत्तों का विश्लेषण t-परीक्षण द्वारा किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि छात्र एवं छात्राओं के समायोजन स्तर में 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर है तथा छात्रों का समायोजन बेहतर है। व्यक्तित्व गुण में छात्राएं 0.01 स्तर पर सार्थक रूप से उच्च पाई गईं, जबकि बहिर्मुखता में सार्थक अंतर पाया गया ।

मुख्य शब्द : समायोजन, व्यक्तित्व, उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी, लैंगिक अंतर, t-परीक्षण

प्रस्तावना

शिक्षा के द्वारा मनुष्य का सर्वांगीण विकास होता है शिक्षण प्रक्रिया में विद्यार्थी का केन्द्रीय स्थान होता है विद्यार्थीयों के जीवन की विभिन्न अवस्थाओ में किशोरावस्था का विशेष महत्त्व है, किशोरावस्था मानव जीवन का सर्वाधिक जटिल एवं परिवर्तनशील तनाव का काल है। इस अवस्था में शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक एवं सामाजिक परिवर्तन तीव्र गति से होते हैं। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों को शैक्षिक दबाव, कैरियर चयन एवं सामाजिक अपेक्षाओं के कारण समायोजन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। व्यक्तित्व व्यक्ति के व्यवहार का समग्र रूप है जो समायोजन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है । अतः समायोजन एवं व्यक्तित्व का अध्ययन शैक्षिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

- **श्रीवास्तव एस. के. (2013)** ने "छात्रों का व्यक्तित्व एवं समायोजन" विषय पर एक शोध किया। निष्कर्ष में समायोजन क्षमता पर व्यक्तित्व के प्रभाव के साथ-साथ व्यक्तित्व, लिंग

और समायोजन के बीच संबंध का पता लगाने का प्रयास किया ,शोध में उतराखंड राज्य के देहरादून के शासकीय शाला से 500 विद्यार्थियों का चयन न्यादार्श के रूप में किया और पाया कि लिंग का समायोजन क्षमता और व्यक्तित्व पर प्रभाव डालता है।

- **सतोष आर. के. (2017)** ने "व्यक्तित्व और छात्रों के समायोजन पर अध्ययन किया। इस शोध से किशोरों भावात्मक, सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र में सामना की जाने वाली समायोजन की समस्याओ को समझने का प्रयास किया गया। शोधार्थी ने कर्नाटक में 600 छात्रों के समूह को शोध में प्रतिदर्श के रूप में लिया, निष्कर्ष में पाया कि व्यक्तित्व और छात्रों के सामाजिक और भावनात्मक समायोजन पर महत्वपूर्ण प्रभाव , बहिर्मुखता का शैक्षिक, सामाजिक समायोजन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा एवं लिंग और शाला प्रकार का प्रभाव पाया।
- **शर्मा (2018)** ने पाया कि ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं में समायोजन की समस्या अधिक होती है।
- **वर्मा एवं सिंह (2020)** के अध्ययन में छात्रों में बहिर्मुखता का स्तर छात्राओं से उच्च पाया गया।

अध्ययन का औचित्य

यह अध्ययन विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं नीति निर्माताओं को छात्र-छात्राओं की समायोजन समस्याओं एवं व्यक्तित्व गुणों को समझने में सहायता करेगा । निष्कर्ष के आधार पर विद्यालयों में मार्गदर्शन एवं परामर्श कार्यक्रम बनाए जा सकते हैं ।

समस्या कथन

“ उच्चतर माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों के समायोजन एवं व्यक्तित्व का अध्ययन ”

अध्ययन के उद्देश्य

- छात्र और छात्राओं के समायोजन स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- छात्र और छात्राओं के व्यक्तित्व गुण बहिर्मुखता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पनाएं

H01 छात्र और छात्राओं के समायोजन स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा ।
H02 छात्र और छात्राओं की व्यक्तित्व गुण बहिर्मुखता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा ।

अध्ययन की परिसीमाएं

- प्रस्तुत अध्ययन छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले के 4 हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को शोध में लिया गया है।
- शोध में केवल कक्षा 11 वी के 100 विद्यार्थियों 50 छात्र एवं 50 छात्राओं को न्यादर्श के रूप में लिया गया है।
- शोध में केवल समायोजन एवं व्यक्तित्व के एक आयाम का अध्ययन किया गया है।

शोध प्रविधि -

सर्वेक्षण विधि द्वारा शोध कार्य किया गया है ।

जनसंख्या एवं न्यादर्श के समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थी जनसंख्या हैं।

यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा 4 विद्यालयों से 100 विद्यार्थियों को लिया गया है जिनमे 50 छात्र एवं 50 छात्राए है ।

प्रयुक्त उपकरण –

1. **ए.के.सिन्हा** एवं **आर.पी. सिंग (2022)** द्वारा निर्मित समायोजन मापनी का प्रयोग किया गया है
2. **के.एस मिश्रा (2020)** द्वारा निर्मित व्यक्तित्व मापनी का प्रयोग किया गया ।

सांख्यिकीय प्रविधियां -

मध्यमान, मानक विचलन एवं स्वतंत्र समूह t-परीक्षण का प्रयोग किया गया।

सार्थकता स्तर 0.05 निर्धारित किया गया। df = 98\

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका 1: छात्र-छात्राओं के समायोजन एवं व्यक्तित्व बहिर्मुखता के मध्यमान, मानक विचलन तथा t-मान

चर	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्वतंत्रता की कोटी	टी-मान	सार्थकता
समायोजन	छात्र	50	78.24	8.12	98	2.34*	0.05 स्तर पर सार्थक
	छात्राएं	50	74.56	7.65			
बहिर्मुखता	छात्र	50	10.44	2.88	98	2.91**	0.01 स्तर पर सार्थक
	छात्राएं	50	12.02	2.54			

व्याख्या

तालिका 1 से स्पष्ट है कि समायोजन में t-मान 2.34 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक है। अतः छात्र छात्राओं की अपेक्षा बेहतर समायोजित हैं। बहिर्मुखता में t-मान 2.91 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। छात्राएं अधिक बहिर्मुखता व्यक्तित्व का गुण दर्शाती हैं।

निष्कर्ष

- छात्र एवं छात्राओं के समायोजन स्तर में 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया। छात्रों का समायोजन स्तर उच्च है। अतः H01 अस्वीकृत।
- बहिर्मुखता में लिंग के आधार पर 0.01 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया । अतः H02 अस्वीकृत ।

प्रस्तुत शोध अध्ययन से निष्कर्ष निकलता है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर लिंग का समायोजन एवं व्यक्तित्व के आयाम बहिर्मुखता पर सार्थक प्रभाव पड़ता है। छात्राओं में समायोजन की क्षमता एवं संवेगात्मक अस्थिरता अधिक पाई गई ।

शैक्षिक निहितार्थ

- विद्यालयों में छात्राओं के लिए विशेष मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रकोष्ठ स्थापित किए जाएं।
- पाठ्यक्रम में जीवन कौशल एवं तनाव प्रबंधन को सम्मिलित किया जाए।
- शिक्षकों को किशोर मनोविज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाए ।
- मानसिक स्वास्थ्य को अच्छा बनाये रखने का प्रयास करेंगे . मानसिक स्वास्थ्य अच्छा होने पर वे,विद्यालय में अध्ययन का सही तरीके से कर पाएंगे ।
- योग एवं ध्यान करके अपने मानसिक स्वास्थ्यएसमायोजन क्षमता का विकास कर एवं नकारात्मकता को दूर कर व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर पाएंगे ।
- पारिवारिक समायोजन . परिवार के सदस्यों के साथ समायोजन में सहायता मिलेगी ।

भावी शोध हेतु सुझाव

- ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
- समायोजन पर पारिवारिक पृष्ठभूमि के प्रभाव का अध्ययन किया जा सकता है।
- बड़ा न्यादर्श लेकर शोध की पुनरावृत्ति की जा सकती है।
- विशिष्ठ बालको ,दिव्यांग बालको पर इस प्रकार के शोध किये जा सलते है।
- कामकाजी महिलाओ एवं घरेलू महिलाओ पर इस प्रकार के शोध किये जा सकते है ।
- ऐसा शोध केन्द्रीय विद्यालय, प्रयास विद्यालय,आत्मानंद विद्यालय,विशिष्ट बालको पर शोध किया जा सकता है ।
- ऐसा ही शोध वृहद् स्तर पर किया जा सकता है ।
- पारिवारिक या सामाजिक समस्याओं का मानसिक स्वास्थ्य और समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण ।
- विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में समायोजन की प्रक्रियाओं का अध्ययन ।
- इस अध्ययन में केवल कक्षा 11 के विद्यार्थियों को लिया गया है कि ऐसा अध्ययन अन्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों पर किया जा सकता है ।

संदर्भ सूची

[1] Eysenck, H. J., & Eysenck, S. B. G. (1975). _Manual of the Eysenck Personality Questionnaire_. Hodder & Stoughton.
[2] Garrett, H. E. (2008). _Statistics in Psychology and Education_. Kalyani Publishers.
[3] Kumar, R. (2021). Neuroticism and academic achievement of adolescents. _Indian Journal of Psychology_, 96(2), 45-52.
[4] Sharma, P. (2018). Adjustment problems of rural girls. _Journal of Educational Research_, 12(1), 23-31.
[5] Sinha, A. K. P., & Singh, R. P. (1984). _Adjustment Inventory for School Students_. National Psychological Corporation.
[6] Verma, S., & Singh, A.(2020). Gender differences in extraversion among higher secondary students. BIJMRD*, 5(3), 112-118.

Websites

[1] https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4471980/
[2] https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/160076/4/chapter%201_chanchal%20bala.pdf
[3] https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/323543
[4] https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/323543/5/05_chapter%202.pdf